भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर ने किया सहयोगात्मक सीएसआर पर आधारित पहले सीएसआर सम्मेलन का आयोजन

भुवनेश्वर, 27 फरवरी 2024: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर के सीएसआर प्रकोष्ठ द्वारा आज आयोजित पहले सीएसआर सम्मेलन में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के सहयोगात्मक दृष्टिकोण पर विचार-विमर्श किया गया है। इस सम्मेलन में उद्योग, एनजीओ, शिक्षाविदों और सरकारी एजेंसियों के अध्यक्षों और प्रतिभागियों ने "यूनाइटिंग फॉर ए सस्टेनेबल इम्पैक्ट" विषय पर विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर पर अपने संबोधन में, प्रो. श्रीपाद करमलकर, निदेशक, आईआईटी भुवनेश्वर ने कहा कि "जिस प्रकार कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व कई महत्वपूर्ण बदलावों से गुजरा है, समय की माँग अनुरूप उसी प्रकार आईआईटी जैसे प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थान भी एक संगठन के रूप समाज को विकसित करने की दिशा में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने उद्योग जगत के लीडरों से प्रमुख शैक्षिक संस्थानों के साथ सहयोगात्मक मंच की खोज करने का आग्रह किया, जो अनिवार्य परिधीय प्रतिबंधों से परे कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी का दायरा लेगा और सीएसआर परियोजना कार्यान्वयन का एक समाधान भी प्रदान करेगा, जो परियोजना की अवधारणा से शुरू होकर बहुत ही वैज्ञानिक तरीके से मूल्यांकन को प्रभावित करेगा। " रक्तदान को एक उदाहरण के रूप में उपयोग करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे सेवा देने वाले और प्राप्तकर्ता दोनों की मदद करती है। ताजा रक्त दाता के शरीर में खोए हुए रक्त की भरपाई करता है, जिससे दाता का सामान्य स्वास्थ्य बेहतर होता है।

इस उपलक्ष्य पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित डॉ. प्रशांत कुमार होटा, अध्यक्ष और समूह प्रमुख-सीएसआर, शिक्षा, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड ने अपने अभिभाषण में, विभिन्न सीएसआर कार्यक्रमों को लागू करने और अंतिम मील पर लोगों के जीवन पर अधिक प्रभाव डालने में समावेशिता पर जोर दिया। जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड द्वारा किए गए सीएसआर गतिविधियों और कार्यक्रमों के विभिन्न उदाहरणों का हवाला देते हुए, उन्होंने रणनीतिक और अच्छी तरह से पूरे सीएसआर योजना की प्रभावशीलता को प्रतिबिंबित किया, जो समुदाय की व्यावहारिक समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकता है और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की उपलब्धि में योगदान दे सकता है। उन्होंने समाज पर बहुदर्शी और बहु-आयामी प्रभाव रखने के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व कार्यों के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण अपनाने पर भी जोर दिया।

बी.के.मिश्रा, संयोजक, सीएसआर फोरम, ओडिशा ने इस कॉन्क्लेव के विशिष्ट अतिथि के रूपो में अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज की। इस उपलक्ष्य पर उन्होंने कहा कि " सभी संगठनों को भूमि कानून का पालन करना चाहिए और समावेशी विकास और स्थिरता पर भी ध्यान देना चाहिए।" उन्होंने सीएसआर गतिविधियों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और विभिन्न संस्थानों के अभिसरण पर जोर दिया।" आगे उन्होंने कहा कि "सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के बीच फोर्जिंग साझेदारी स्थायी विकास एजेंडे की कुंजी है,"। इसके साथ-साथ उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आज समय की यह माँग है कि समाज के विकास के लिए जमीनी स्तर पर सहयोग और सहभागिता को बढ़ावा दिया जाए।

करकरम के स्वागत भाषण में, प्रो. नरेश चंद्र साहू (संयोजक और प्रभारी प्रोफेसर, सीएसआर सेल, आईआईटी भुवनेश्वर ने कहा कि "कॉर्पोरेट संगठबो संगठनों को अपने सीएसआर कार्यक्रमों के अधिक प्रभाव के लिए अपने अनिवार्य परिधि से आगे बढ़ना चाहिए। उन्हें विज्ञान, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, आजीविका में विशेषज्ञता रखने वाले प्रमुख संस्थानों के साथ सहयोग करने के लिए आगे आना चाहिए, जो बदले में सीएसआर को अधिक समृद्ध और प्रभावी बनाने में मदद करेंगे।"\

कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, 'सतत प्रभाव के लिए एकजुटता: एक उद्योग और शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य' पर एक पैनल चर्चा में उद्योग जगत के लीडरों और सीएसआर विशेषज्ञों जैसे श्री प्रशांत बिसवाल, प्रमुख-सीएसआर, जेएसडब्ल्यू, श्री ज्योति रंजन त्रिपाठी, निदेशक, सुभद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट, श्री संबिट दास, संयोजक और संस्थापक, आशा फाउंडेशन और श्री सौम्या रंजन मंगराज (बीसीयूआर के संस्थापक) से विचार-विमर्श किया गया। आईआईटी भुवनेश्वर के प्रो. सुभानकर पति ने इस सत्र का संचालन किया। इस अवसर पर डॉ. शैलेन्द्र नारायण राउतराय (सहायक कुलसचिव, आईआईटी भुवनेश्वर) द्वारा 'कर्मचारियों के प्रेरक पहलू पर कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व का प्रभाव' नामक एक पत्र प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर, आईआईटी भुवनेश्वर के प्रो. सीमा बाहिनीपति को संस्थान के परिसर में कार्यरत प्रवासी निर्माण श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा और गोद लिए गए गांवों के कल्याण में उनके योगदान के सम्मान में आईआईटी भुवनेश्वर सीएसआर लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया।

श्री रबी कुमार पटनायक (सह-संयोजक और समन्वयक, सीएसआर सेल, आईआईटी भुवनेश्वर) ने इस कार्यक्रम का धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

इस प्रकार सीएसआर कॉन्क्लेव 2024, 'यूनाइटिंग फॉर ए सस्टेनेबल इम्पैक्ट" थीम के जरिये विचारशील नेताओं, उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और सीएसआर उत्साहियों के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया है ताकि सार्थक परिवर्तन लाने के लिए, विचारों का आदान-प्रदान तथा आपसी सहयोग किया जा सके। सम्मेलन का आयोजन केनरा बैंक और जेएसपी फाउंडेशन के सहयोग से किया गया था।